पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

साहित्यिक अभिरुचि परीक्षण

(i) आदिकाल से रीतिकाल

इसके अन्तर्गत कालगत परिस्थितियाँ एवं साहित्य पर उसका प्रभाव, प्रत्येक युग के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, साहित्यिक विशेषताएँ, भाषा शैली

(क) आदिकाल - चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति

(ख) भक्तिकाल -

(1) निर्गुण भक्तिधारा - ज्ञानमार्गी शाखा, प्रेममार्गी शाखा, कबीर, दादू, रैदास, नानक, जायसी, कुतुबन

(2) सगुण भक्तिधारा - राम भक्तिशाखा, कृष्ण-भक्ति शाखा, तुलसीदास, केशव, सूरदास, मीराबाई, अष्टछाप के कवि, रसखान

(ग) रीतिकाल - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य - देव, घनानंद, बिहारी, मतिराम, सेनापति, भूषण, पद्माकर

(II) आधुनिक काल

इसके अन्तर्गत युगीन परिस्थितियाँ, साहित्यिक पृष्ठभूमि, मुख्य विचारधारा, मुख्य साहित्यकार, साहित्यिक रचनाएँ, विशेषताएँ, भाषा-शैली

(क) भारतेन्दु युग - भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बालमुकुन्दगुप्त, बदरीनारायण चौधरी, प्रेमघन

(ख) द्विवेदीयुग- महावीर प्रसाद द्विवेदी, श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरणगुप्त

(ग) छायावाद - जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सुमित्रानन्दन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

(घ) छायावादोत्तर युग- हरिवंश राय बच्चन, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', नरेन्द्र शर्मा, केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, मुक्तिबोध, नेमिचंद्र जैन, प्रभाकर माचवे, गिरिजा कुमार माथुर, रामविलास शर्मा, 'अज्ञेय' भवानी प्रसाद मिश्र, नरेन्द्र शर्मा, धूमिल, धर्मवीर भारती, शंभुनाथ सिंह, रघुवीर सहाय

(iii) गद्य साहित्य-

(क) **अधोलिखित लेखकों का व्यक्तित्व और कृतित्व**-

भारतेन्दु, रामचंद्र शुक्ल, प्रेमचंद, जैनेन्द्र कुमार, हजारीप्रसाद द्विवेदी, धर्मवीर भारती, रामविलास शर्मा, निर्मल वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु', कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी, शेखर जोशी, विष्णु खरे, ममता कालिया

(ख) गद्य एवं अन्य विधाओं का प्रारम्भ, विकास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, साहित्यिक विशेषताएँ, भाषाशैली

(ग) निबंध, कथासाहित्य, उपन्यास और कहानी, नाटक, एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृतांत, आत्मकथा, जीवनी, पत्र, डायरी, आलोचना, रिपोतार्ज आदि इन सभी विधाओं का विस्तृत परिचय

(iv) साहित्य शास्त्र: -

काव्य स्वरूप, काव्य-आत्मा, काव्य गुण-दोष, शब्द-शक्ति, रस, अलंकार (शब्दालंकार, अर्थालंकार, उभयालंकार एवं नए अलंकार) बिंब, छंद, प्रतीक, भाषा, भाषा-शैली एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(v) हिंदी भाषा का क्रमिक विकास, हिंदी भाषा की बोलियाँ, उपबोलियाँ, उसकी विशेषताएँ एवं भाषा परिवार

(vi) अपठित बोध- अपठित गद्यांश / काव्यांश पर आधारित अर्थग्रहण, भाव-सौंदर्य, शिल्प-सौंदर्य सम्बंधी प्रश्न

व्याकरणिक प्रयोग परीक्षण

(i) वर्ण विचार -

- ध्वनियों का वर्गीकरण, वर्ण-वर्गीकरण, उच्चारण-स्थान
- वर्णमाला, वर्तनी, सन्धि / सन्धिविच्छेद

(ii) शब्द - विचार एवं शब्द भंडार

- शब्द भेद उत्पत्ति, रचना, रूप और अर्थ की दृष्टि से शब्द
- शब्द भंडार - पर्यायवाची, विपरीतार्थक, एकार्थी, अनेकार्थी, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द
- शब्द-युग्म शब्द निर्माण उपसर्ग, प्रत्यय, समास

(iii) पद-विचार, पदबंध, पद-परिचय

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, विशेष्य (परिभाषा, भेद, लिंग, वचन, कारक)
- क्रिया (परिभाषा, भेद, अकर्मक, सकर्मक, काल, संरचना की दृष्टि से क्रिया भेद, वाच्य, वाच्य भेद, वाच्य परिवर्तन)
- अव्यय (परिभाषा, भेद - क्रिया विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक - निपात)
- पदबंध - भेद एवं प्रयोग
- पद-परिचय

(iv) वाक्य- विचार

- ❖ वाक्य संरचना, वाक्य भेद (अर्थ एवं रचना की दृष्टि से)
- ❖ वाक्य-परिवर्तन, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य विश्लेषण
- ❖ विराम चिह्न, लोकोक्ति एवं मुहावरे

प्रयोजनमूलक हिंदी कौशल परीक्षण

- ❖ पत्रकारिता एवं उसके विविध आयाम
- ❖ प्रिंटमाध्यम - समाचार, संपादकीय, रिपोर्ट, आलेख, फीचर, साक्षात्कार आदि के लिए लेखन
- ❖ रेडियो व दूरदर्शन के लिए लेखन
- ❖ विज्ञापन लेखन, उद्घोषणा, स्वागत भाषण, संगोष्ठी संचालन आदि
- ❖ कहानी का कविता में रूपान्तरण, कविता, कहानी, लघुकथा, डायरी लेखन आदि
- ❖ कार्यालयी हिन्दी, कार्यसूची, कार्यवृत्त, प्रतिवेदन, सरकारी पत्र, सूचनाएँ, निविदाएँ आदि

व्यावहारिक लेखन

- ❖ व्यावहारिक हिन्दी का स्वरूप
- ❖ प्रयोजनमूलक हिन्दी और उसके विविध आयाम

सर्जनात्मक लेखन एवं मौलिक अभिव्यक्ति

- ❖ दिए गए विषय पर कविता, लघुकथा एवं रचनात्मक लेख संबंधी मौलिक रचना
- ❖ कहानी का कविता में रूपान्तरण
- ❖ अनुभवों के आधार पर लेखन
- ❖ वार्तालाप की दक्षता के विकास हेतु संवाद लेखन
- ❖ किसी भी समसामयिक विषय पर कहानी / कविता लेखन ।